महत्वपूर्ण एवं खास

जवानों ने 4 किग्रा का प्रेशर आईईडी किया बरामद

बीजापुर (आरएनएस)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत कोबरा बी/210 एवं सीआरपीएफ 229 के जवान सर्चिंग में मोकुर कैम्प के दक्षिण पहाड़ी की ओर रवाना हुए थे, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिये नक्सलियों द्वारा पगडण्डी पर आईईडी लगा रखा था, सुरक्षा बलों की सूझबूझ एवं सतर्कता से केरिपु 229 के बीडीएस टीम के द्वारा 04 किग्रा का प्रेशर आईईडी बरामद कर मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया है।

वनरक्षक के पद पर भर्ती के लिए आवेदन 5 मार्च तक

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य वन विभाग के अंतर्गत विभिन्न वनमंडलों में खिलाड़ी कोटे के अंतर्गत वनरक्षक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती से नियुक्ति राष्ट्रीय स्तर के खेलों में प्रावीण्यता प्राप्त उम्मीदवारों से किया जाना है। इच्छुक उम्मीदवारों से 05 मार्च 2023 शाम 05.00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में वनमण्डलाधिकारी एवं नोडल अधिकारी रायपुर वनमंडल, रायपुर के पते पर पंजीकृत डाक (पावती सहित), स्पीड पोस्ट से ही भेजे जा सकते हैं। रिक्त पद पर निर्धारित अर्हता तथा अन्य संबंधित जानकारी वन विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

गर्मी के मौसम से पहले जरौंधा में शुरू होगी नलजल योजना

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर जिले में निर्मित नल जल योजना को फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने ग्राम जरौंधा में नल जल योजना का निरीक्षण कर इसे पुन: शुरू करने के लिए तकनीकी पहलुओं का परीक्षण किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस योजना को फिर शुरू करने के लिए विद्युत आपूर्ति को दुरूस्त करने की पहल की जा रही है। साथ ही नल जल योजना को नए जल स्रोत के माध्यम से जोडक़र इसका परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण सफल होने पर जल्द ही इस योजना के माध्यम से गांव में गर्मी के मौसम के पहले आंशिक रूप से पेयजल की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। इस योजना को जल जीवन मिशन के अंतर्गत जरौंधा समूह जल प्रदाय योजना बरदर कटकोना में शामिल कर लिया गया है। वर्तमान में इसके लिए निविदा प्रक्रियाधीन है।

यूपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर बाघ की दहाड़, दहशत में लोग

सरगुजा (आरएनएस)। यूपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर सोनभद्र जिले के शीशटोला नवाटोला के जंगल में बाघ देखे जाने की खबर है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। कैमरे में उन्मुक्त भाव से चहलकदमी करते दिख रहा बाघ सडक़ के किनारे से होते हुए जंगल की ओर जा रहा है। दावा किया गया है कि यह वीडियो इसी क्षेत्र का है, जिसे कुछ स्थानीय लोगों ने गुरुवार रात बनाया है। बाघ की सूचना के बाद खलबली मच गई है। आसपास के गांवों के लोग सहमे हुए हैं। हालांकि वन विभाग ने अभी बाघ की मौजूदगी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन लोगों को सावधान रहने की सलाह जरूर दी है। गुरुवार रात कुछ लोग बोलेरो से बॉर्डर क्षेत्र में सफर कर रहे थे। बभनी वन रेंज के महुअरिया से शीशटोला जाने वाले मार्ग पर बड़ादेव स्थल नवाटोला के समीप उन्होंने सडक़ पर बाघ देखा। बोलेरो को किनारे खड़ी कर अंदर से ही एक व्यक्ति ने यह वीडियो बनाया, जिसमें बाघ सडक़ के किनारे से होते हुए जंगल में घुस गया। बीच-बीच में बाघ गुर्रा भी रहा है। बाघ के जंगल में जाने के बाद बोलेरो सवार वहां से निकले और गांव पहुंचकर सूचना दी। कुछ दिनों पहले छत्तीसगढ़ के रघुनाथ नगर वनक्षेत्र में बाघ भटक कर आने की सूचना मिली थी। इसके बाद बिहारपुर चांदनी में बाघ देखा गया और वहां एक व्यक्ति पर हमला भी किया था। छत्तीसगढ़ के रघुनाथ नगर रेंज के डिप्टी रेंजर शिवनाथ ठाकुर का कहना है कि बाघ देखे जाने की सूचना मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में 65 लघु वनोपजों की हो रही खरीदी समर्थन मूल्य पर

- लघु वनोपजों के संग्रहण में देश में अव्वल राज्य छत्तीसगढ़
- वनवासियों के हित में अहम् साबित हो रहा राज्य सरकार का फैसला
- 74 प्रतिशत से अधिक लघु वनोपज क्रय कर देश में लगातार प्रथम स्थान पर

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप प्रदेश के वनवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर 65 लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार का यह फैसला वनाचंल के वनवासियों तथा आदिवासियों के हित में अहम् साबित हो रहा है। लघु वनोपजों की संख्या में वृद्धि होने से उनकी आय में भी बढ़ोतरी हुई है। इस तारतम्य में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज संग्रहित होता है, जो देश में अव्वल है। सरकार ने संग्राहकों के हित में लघु वनोपजों की संख्या में 9 गुना वृद्धि करते हुए 7 से बढ़ाकर 65 लघु वनोपजों की खरीदी करने का निर्णय लिया। यही कारण है कि इन चार सालों में संग्राहकों की संख्या में भी 4 गुना से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, वर्ष 2018-19 में संग्राहकों की संख्या 1.5 लाख थी जो आज बढक़र 6 लाख हो गई है। इस दौरान लघु वनोपज संग्रहण पारिश्रमिक वर्ष 2019-20 में 23 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि का भुगतान संग्रहकों को किया गया। इसी तरह वर्ष 2020-21 में 158 करोड़ 65 लाख रूपए, वर्ष 2021-22 में 116 करोड़ 79 लाख रूपए और वर्ष 2022-23 में (जनवरी 2023 की स्थिति में) 57 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि का भुगतान संग्राहकों को किया जा चुका है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में चार वर्षों में 356 करोड़ 44 लाख रूपए मूल्य का लघु वनोपज क्रय किया गया। गौरतलब है कि राज्य में वर्तमान में समर्थन मूल्य के अंतर्गत खरीदी की जा रही लघु वनोपजों में संग्रहण दर मालकांगनी बीज (सूखा) 100 रूपए, बायबडिंग 94 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-1-35 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-2-31.50 रूपए, आंवला (बीज रहित) सूखा 57 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह रंगीनी लाख/छिली लाख (सूखा) 220 रूपए, रीठा फल (सूखा) 14 रूपए, वन जीरा बीज 63 रूपए, सतावर जड़ (सूखा) 107 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-1-16 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-2-14.50 रूपए, शहद 225 रूपए तथा नागरमोथा (सूखा) 30 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। माहुल पत्ता 15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-13.50 रूपए, हर्रा कचरिया 25 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-17 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-15.30 रूपए, बहेड़ा कचरिया 20 रूपए तथा गिलोय (सूखा) ग्रेड-1-40 रूपए, गिलोय (सूखा) ग्रेड-2-36 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह कुसुमी लाख/छिली लाख (सूखा) 300 रूपए, वन तुलसी बीज 14.50 रूपए, भेलवा 9.75 रूपए, शिकाकाई फल्ली (सूखा) 50 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-1-36 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-2-33 रूपए, इमली फूल (बीज रहित) 69 रूपए, इमली बीज 11 रूपए तथा महुआ फूल (सूखा) 30 रूपए, महुआ बीज 29 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। झाड़ू फूल (घास) 50 रूपए, कौंच बीज 21 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-1-37 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-2-33.50 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-1-126 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-2-115 रूपए, करंज बीज 24 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-1-30 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-2-27 रूपए तथा कुल्लू गोंद 125 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। काजू गुठली ग्रेड-1-90 रूपए, काजू गुठली ग्रेड-2-81 रूपए, साल बीज 20 रूपए, कुसुम बीज ग्रेड-1-23 रूपए, कुसुम बीज ग्रेड-2-20.70 रूपए, नीम बीज (सूखा) 27 रूपए, जामुन बीज (सूखा) ग्रेड-1-42 रूपए, जामुन बीज (सूखा) ग्रेड-2-38 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह मालकांगनी फल कच्चा (लाल रंग) 17 रूपए, कालमेघ/भुईनीम (कच्चा)-5.50रूपए, हर्रा कच्चा 6 रूपए, बहेड़ा कच्चा 5 रूपए, गिलोय कच्चा 5.50 रूपए, हर्रा बाल 30 रूपए, महुआ फूल कच्चा (फूड ग्रेड) 10 रूपए, झाड़ू छिंद (घास) 15 रूपए, कोदो 30 रूपए, कुटकी (काला) 31 रूपए, कुटकी (भूरा) 31 रूपए, रागी 35.78 रूपए, अमचूर (सफेद) 120 रूपए तथा अमचूर (भूरा) 80 रूपए, रैली कोसा (भादो) दर नग में ग्रेड-1-4.20 रूपए, रैली कोसा (भादो) दर नग में ग्रेड-2-3.60 रूपए,रैली कोसा (भादो) दर नग में ग्रेड-3-2.80, रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-1-1.50 रूपए तथा रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-2-1.25 रूपए,रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-2-0.7 रूपए प्रति किलोग्राम की दर पर खरीदी की जाएगी। इसके अलावा संग्रहण दर आंवला फल (कच्चा) 28 रूपए, रंगीनी लाख बीहन (जीवित लाख कीट के साथ) 275 रूपए, कुसुमी लाख बीहन (जीवित लाख कीट के साथ) ग्रेड-1-550 रूपए, झाड़ू कांटा (घास) 25 रूपए, बेलफल (कच्चा) 10 रूपए, जामुन फल (कच्चा) 23 रूपए, सवई घास 15 रूपए, पाताल कुम्हड़ा कंद (सूखा) 20 रूपए, सफेद मूसली कंद (सूखा) 650 रूपए, तीखुर कंद (कच्चा) 17 रूपए, अश्वगंधा जड़ (सूखा) 180 रूपए, कोरिया बीज (इन्द्र जौ) (सूखा) 50 रूपए, कुटज छाल (सूखा) 12 रूपए तथा पलाश फूल (सूखा) 11.50 रूपए प्रति किलोग्राम है।

पझरा नाला के उपचार से 21 हेक्टेयर बढ़ा सिचाई रकबा

- 3 ग्रामों के 110 किसान हुए लाभान्वित
- मनरेगा से 2496 ग्रामीणों को मिला रोजगार

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना के तहत नरवा विकास के कार्यों के सकारात्मक परिणाम जिले में लगातार दिखाई दे रहे हैं। जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत पझरा नाला में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की विभिन्न संरचनाओं के निर्माण कराने से 21 हेक्टेयर सिचाई रकबा बढ़ गया है जिससे 3 गांवों के 110 किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है. किसान अब धान की फसल के साथ ही अरहर दाल और सब्जी उत्पादन कर रहे हैं जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।

पझरा नाला ग्राम पंचायत राल के के ग्राम डोकरीखार से निकलकर डोंगरी, मोहनपुर होते हुए जवाली की ओर बहता है। यह प्राचीन नाला है जो कि तीन ग्राम पंचायतों में करीब 4.26 किलोमीटर लंबा है। इस नाले में पहले आठ-नौ महीने ही पानी रहता था गर्मी के दिनों में पानी सूख जाता था जिससे गर्मियों में नाले के समीप किसान चाह कर भी दूसरी फसल नहीं ले पाते थे। मई-जून के महीनों में पानी का संकट ज्यादा गहरा जाता था। मवेशियों को तक पानी मिलना मुश्किल होता था. इस समस्या के समाधान के लिए नरवा उपचार और नरवा विकास के विभिन्न कार्य कराए गए।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत पझरा नाला में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न संरचनाएं जैसे डबरी निर्माण, चेक डैम, गली प्लग आदि जल संरचनाओं का निर्माण किया गया जिससे अब नाले में साल भर पानी भरा रहता है। नाले में जल संरचनाओं के निर्माण से जहाँ एक ओर इस क्षेत्र का जल स्तर बढ़ा है वहीं दूसरी ओर मनरेगा से कराये निर्माण कार्यों से 2496 ग्रामीणों को मिला है। ग्रामीणों को गांव मे ही रोजगार मिलने से ग्रामीण खुश हैं। नाले में वर्ष भर पानी रहने से 3 गांवों के 110 किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है, जिससे उनका फसल उत्पादन बढ़ गया है। किसान अब धान के साथ ही अरहर, सब्जी का उत्पादन भी करने लगे हैं जिससे किसानों की वार्षिक आमदनी बढ़ी है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। ग्राम पंचायत राल के सरपंच रामकुमार कंवर का कहना है कि ग्राम विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की नरवा विकास योजना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस योजना के तहत परम्परागत जल स्रोतों का संरक्षण और विकास किया जा रहा है जिसका लाभ किसानों की आर्थिक मजबूती के रूप में मिल रहा हैं। इसके साथ ही सभी को पानी की सुविधा मिल रहीं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी में होंगे कई कार्यक्रम

- राज्य स्तरीय महिला मड़ई का कल से

रायपुर (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राजधानी रायपुर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 27 फरवरी से शुरू होकर 04 मार्च तक होंगे। शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में 27 फरवरी से 04 मार्च तक राज्य स्तरीय महिला मड़ई का आयोजन किया जाएगा। महिला मड़ई सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। मड़ई में राज्य की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर बिक्री की जाएगी। यहां महिलाओं के सशक्त होते कदमों और आत्मनिर्भर बनते जीवन की झलक दिखाई देगी। तेलीबांधा तालाब से 27 फरवरी को सुबह 7 बजे महिलाओं की बाइक/स्कूटर रैली निकाली जाएगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में एक मार्च को सुबह 9 से 2 बजे तक महिला सुरक्षा एवं पोषण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही बीटीआई ग्राउंड में 04 मार्च को दोपहर 12 बजे से राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

राज्यपाल ने प्रदेश की दो सुविख्यात महिला कलाकारों को पुरस्कृत किए जाने पर दी बधाई

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजनबाई को संगीत नाटक आकादमी फैलोशिप (अकादमी रत्न) एवं सुविख्यात लोक गायिका तथा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ की कुलपति पद्म डॉ. मोक्षदा (ममता) चंद्राकर को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की लोक गायन परंपरा पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई। हमारी छत्तीसगढ़ की संस्कृति को देश और विदेश में एक नई पहचान देने में उनका अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि डॉ. मोक्षदा चंद्राकर का यह सम्मान छत्तीसगढ़ की लोककला का सम्मान है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा गत दिवस नई दिल्ली में आयोजित समारोह में तीजन बाई को संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप (अकादमी रत्न) एवं डॉ मोक्षदा चंद्रकार को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कस्टम मिलिंग के लिए 103 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

- 106 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी
- किसानों से इस खरीफ सीजन में 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की हुई है खरीदी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की कुशल प्रबंधन के कारण अब तक कस्टम मिलिंग के लिए 103 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव हो चुका है, जबकि 106 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। किसानों से समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की सफलतापूर्वक खरीदी की गई है।

गौरतबल है कि मुख्यमंत्री की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए सीधे उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 23 लाख 42 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। किसानों को धान खरीदी के एवज में 22 हजार 67 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है।

राजनीति से मेरा रिटायरमेंट का समय आ गया है : सोनिया गांधी

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर में चल रहे कांग्रेस के 85वें अधिवेशन के दूसरे दिन पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चल रहे कांग्रेस के 85वें अधिवेशन में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजनीति से रिटायरमेंट का इशारा कर दिया। सोनिया ने शनिवार को अपने संबोधन में कहा- भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही मेरी राजनीतिक पारी अब अंतिम पड़ाव पर है।

25 वर्षों में मेरा बहुत कुछ रहा बुरा अनुभव- सोनिया ने पहली बार पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी संभालने से लेकर अब तक आए उतार-चढ़ाव को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- 1998 में जब मैं पहली बार पार्टी अध्यक्ष बनी तब से लेकर आज तक यानी पिछले 25 सालों में बहुत कुछ अच्छा और कुछ बुरा अनुभव भी रहा।

2004 और 2009 में पार्टी का परफॉर्मेंस हो या फिर मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का मेरा निर्णय। यह व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए संतोषजनक रहा। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का मुझे पूरा सहयोग मिला। जिस बात से मुझे सबसे ज्यादा संतुष्टि है, वह ये कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ अब मेरी पारी समाप्त हो सकती है। ये पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

2024 लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता जरूरी- इधर, पार्टी के अधिवेशन में 2024 लोकसभा चुनाव में यूनाइटेड विपक्ष को लेकर भी बात हुई। पार्टी नेताओं ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए पूरे विपक्ष को एक मंच पर आना होगा। विपक्षी पार्टियों को थर्ड फ्रंट से बचना चाहिए। इस तरह का निर्णय उल्टे भाजपा को ही मजबूत करता है।

खड़गे बोले- देश में नफरत का माहौल है- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि देश में नफरत का माहौल है। सरकार रेल, जेल, तेल सब कुछ अपने मित्रों को बेच रही है। दिल्ली सरकार में बैठे लोगों का गरीब विरोधी है। सोनिया गांधी ने कहा कि, राहुल गांधी ने मुश्किल यात्रा को पूरा किया। देश और कांग्रेस के लिए ये चुनौती का वक्त है। राहुल आखिरी दिन, यानी रविवार को संबोधित करेंगे।

अंजोरा में हो रही है रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती

दुर्ग (आरएनएस)। कृषि विज्ञान केन्द्र अंजोरा में पोषण वाटिका में रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती की जा रही है। किसानों के द्वारा राज्य शासन की योजनाओं के अंतर्गत नई-नई तकनीकों का प्रयोग कर रंग-बिरंगी गोभी का उत्पादन किया जा रहा है। रंगीन पीली और गुलाबी रंग की जैववर्धित किस्म की फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती कर जिले के कृषकों के लिए नवाचार प्रस्तुत किया है, जो प्राकृतिक खेती से तैयार की गई है।

रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली के लिए तापमान उपयुक्त- सामान्यत: सफेद रंग की फूलगोभी का उत्पादन किया जाता है। अब रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली का उत्पादन किया जा रहा है, जो की विटामिन से परिपूर्ण होता है। यह जिले के जलवायु के अनुकुल प्राप्त होता है। इसकी खेती के लिये 15 से 25 डिग्री तक का तापमान होना चाहिए।

सफेद गोभी की तुलना में रंगीन फूलगोभी का दाम दोगुना- रंगीन फूलगोभी को सफेद गोभी की खेती की तरह ही रोपाई से पहले भूमि की जुताई एवं गोबर खाद का उपयोग किया जाता है। यह रंगीन गोभी आम गोभी की तुलना में दोगुना और ब्रोकली से चारगुना दाम प्राप्त कर सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपुर- पोषक तत्व की दृष्टि से इसमें कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्निशियम, जिंक पाया जाता है। इससे इम्युनिटी बढ़ती है। इसमें विटामिन ''ए'' एवं ''सी'' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ब्रोकली फूलगोभी की प्रजाति है। दिखने में यह हरी फूलगोभी की तरह होती है लेकिन स्वाद में अंतर होता है। ब्रोकली में सफेद गोभी की तुलना में ज्यादा स्वादिष्ट है और इसमें भरपूर फाइबर पाया जाता है। इसके अलावा इसमें फाइटोकैमिकल्स, पोलीफेनाल, चें्रसेटिन और ग्लूकोसाईड जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो मधुमेह को नियंत्रित करता है। एंटीओक्सीडेंट, एंटीइफ्लेमेटरी के गुण मौजूद होते है। शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU